भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3659
उत्तर देने की तारीख: 08.08.2022

नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की स्थापना

3659. श्री प्रदीप कुमार चौधरी:

श्री दीपसिंह शंकरसिंह राठौड़:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में स्थापित किए गए नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की संख्या कितनी है;

(ख) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश सहित देश में नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करने का विचार है:

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर
शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क): वर्ष 2014-15 के बजट में, आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर और गोवा में 5 नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की स्थापना की घोषणा की गई थी; और वर्ष 2015-16 के बजट में, कर्नाटक में एक आईआईटी की स्थापना और भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद को आईआईटी में अपग्रेड करने की घोषणा की गई थी। तदनुसार, तिरुपति और पलक्कड़ में नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने वर्ष 2015 और भिलाई, जम्मू, गोवा और धारवाड़ के आईआईटी ने वर्ष 2016 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू किया है।

(ख) और (ग): उत्तर प्रदेश में, आईआईटी कानपुर और आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी कार्यात्मक हैं। वर्तमान में, देश में कोई नया आईआईटी स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ): सरकार ने 1411.80 करोड़ रुपए की लागत पर इन 6 नए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) को उनके अस्थायी परिसरों से कार्य करने और बाद में, अस्थायी परिसरों के लिए अनुमोदित निधियों की शेष लागत को सम्मिलित करते हुए चरण-क के तहत 7002.42 करोड़ रुपए की कुल लागत पर इन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के स्थायी परिसरों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की ।

*****